साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 । अंक : 47 | गोंदिया : गुरुवार, 30 जुन से 6 जुलाई 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

जिप सभापति के विभाग वितरण में नाराजगी

विशेष सभा बीच में ही छोड़कर सभापति कुथे ने किया बायकाट

उपाध्यक्ष यशवंत गणवीर को शिक्षण व आरोग्य, संजय टेंभरे बांधकाम व वित्त, रुपेश कुथे को कृषि व पशु संवर्धन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला परिषद में आखिरकार डेढ़ माह के पश्चात सभापतियो को विभागों का वितरण किया गया। जिसके लिए शुक्रवार 24 जून को जिला परिषद के सभाग्रह में विशेष सभा का आयोजन किया गया था। उपरोक्त सभा में उपाध्यक्ष यशवंत गणवीर को शिक्षा व स्वास्थ्य, संजय टेंभरे को बांधकाम व वित्त तथा रुपेश (सोनू) कुथे को कृषि व पशु संवर्धन विभाग दिए गए। किंतु उपरोक्त विभाग वितरण में सभापति की नाराजगी सामने आयी। सभा शुरु होते ही सदन में हस्ताक्षर कर रुपेश कुथे ने सभा का बायकाट किया।

गौरतलब है कि गोंदिया जिला परिषद के सभापतियो का चुनाव 10 मई को संपन्न हुए थे जिसमें भाजपा की ओर से संजय टेंभरे, सविता पुराम, राष्ट्रवादी की ओर से इंजी.यशवंत गणवीर व पूजा अखिलेश सेठ तथा निर्दलीय सदस्य के रुप में रुपेश कुथे निर्वाचित हुए थे। किंतु डेढ़ माह बीत जाने के बावजूद भी सभापतियों को विभागों का वितरण नहीं हो पाया था। हालांकि उपरोक्त चुनाव में सविता पुराम को महिला व बालकल्याण तथा पूजा अखिलेश सेठ समाज कल्याण विभाग के पद पर निर्वाचित हुई थी तथा शेष तीन सभापति को 24 जून को जिला परिषद सभागृह में दोपहर 1 बजे आयोजित विशेष सभा में विभागों का वितरण किया गया। साथ ही 10 समितियों का भी गठन किया गया।

उपरोक्त विभाग वितरण व समिति गठन में सभापति व जिला परिषद सदस्यों की नाराजगी व विरोध खुलकर सामने आया। जिसके चलते सभापति रुपेश (सोनू) कुथे सदन की कार्यवाही शुरु होने के पश्चात सदन के उपस्थिती रजिस्टर में हस्ताक्षर कर बीच में ही सभा छोड़कर सदन से निकल गए। वहीं अनेक सदस्य भी सदन से सभा का बायकाट किया। जिसमें रचना गहाने, डॉ भुमेंश्वर पटले, किशोर महारवाडे का समावेश है। अब यह देखना है कि सभापतियों के विभाग वितरण में उनकी नाराजगी सामने आने पर जिला परिषद कार्यकाल में इसका असर कितना सामने आता है।

नागपुर का आदेश स्थानीय भाजपा नेता बेबस

गोंदिया जिला परिषद के सभापतियो के विभाग वितरण में नागपुर से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा निर्देश दिया जाता है, जिसके अनुसार ही उसका पालन होता है। जिसके चलते जिले के स्थानीय भाजपा नेता बेबस नजर आते हैं। भाजपा से निर्वाचित सदस्यों द्वारा नाराजगी व्यक्त करने के बावजूद स्थानीय स्तर के नेता उसका समाधान नहीं कर पाते। जिससे भाजपा में भी असंतोष के स्वर मुखर होते जा रहे हैं।

सभापति विभाग वितरण में राष्ट्रवादी का दिखा वर्चस्व

जिला परिषद के सभापति के विभाग वितरण में राष्ट्रवादी का वर्चस्व साफ दिखाई दिया। जिसके चलते राष्ट्रवादी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देशानुसार उनके सदस्यों को उनकी इच्छा के अनुसार पद प्राप्त हुए हैं। जबकि जिला परिषद में भाजपा का स्पष्ट बहुमत होने के बावजूद राष्ट्रवादी का गठबंधन होने व राष्ट्रवादी के निर्देश से उनके सदस्यों को महत्वपूर्ण पद मिलने से भाजपा के सदस्यों में असंतोष व नाराजगी दिखाई दे रही है। जिसका परिणाम जिला परिषद के आगामी कार्यकाल में पदाधिकारियों को भुगतना होगा।

सभापति विभाग वितरण में आर्थिक लेनदेन की चर्चा

गोंदिया जिला परिषद में सभापति विभाग वितरण में भारी पैमाने पर आर्थिक लेनदेन हुआ है, ऐसी चर्चा जिला परिषद के गलियारों में दिनभर चलती रही। पक्ष प्रमुखों के आदेश का पालन विभाग वितरण के दौरान अपने नाराजगी व्यक्त कर सदन के बीच में ही छोड़कर चले जाने पर इस संदर्भ में रुपेश सोनू कुथे ने अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि उन्होंने पक्ष प्रमुखों के आदेश का पालन किया है, किंतु विभाग वितरण में पक्षपात हुआ है जिसका भी विरोध करते हैं।

स्थानीय भाजपा के वरिष्ठ नेता मजबूर

जिला परिषद में सभापति विभाग वितरण को लेकर अर्जुनी मोरगांव तहसील के पूर्व भाजपा अध्यक्ष उमाकांत ढेगे ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि गोंदिया जिले में नागपुर के वरिष्ठ नेताओं की दुकानदारी चल रही है, जिसके चलते स्थानीय स्तर के वरिष्ठ नेता लाचारी की स्थिति में है। जिसके कारण गोंदिया जिला परिषद में भाजपा को पूर्ण बहुमत होने के बावजूद भाजपा के व उनके समर्थकों को पद वितरण में पक्षपात किया गया है। जिसके चलते नागपुर के नेताओं की गोंदिया जिले में चल रही नेतागिरी की दुकानदारी का विरोध व्यक्त करते हैं।

इस्लामिक आतंकवाद का विरोध

रैली निकालकर आतंकवाद के पुतले को दी फांसी

बुलंद गोंदिया - राजस्थान के उदयपुर में दिनदहाड़े पेशे से टेलरिंग का व्यवसाय करने वाले हिन्दू की दिनदहाड़े गला रेतकर इस्लामिक आतंकवादियों द्वारा हत्या कर दी गई थी तथा इसका लाइव वीडियो में हिंदू समाज को ललकारते हुए धमकी दी थी। जिसका विरोध करते हुए विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा शहर में आतंकवाद के खिलाफ रैली निकालकर आतंकवाद के पुतले को शहर के मुख्य चौक नेहरु प्रतिमा के समीप फांसी पर लटकाया गया। उपरोक्त रैली बजरंग दल के कार्यालय से निकाली गई जिसमें बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद व शहर के समस्त हिंदू समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। शहर भ्रमण करते हुए नेहरु चौक में आतंकवादी के पुतले को फांसी पर लटकाते हुए देश में चल रहे इस्लामिक आतंकवाद का विरोध किया गया।

आयोजित रैली में देवेश मिश्रा, रमन सिंगल, भिकम शर्मा, मनोज पारेख, मनोहर वलेचा, मुक्तानंद ढोमने, दारा बैरीसाल, बद्री दशरिया, मुन्ना लिल्हारे, बंटी शर्मा, सचिन चौरसिया, महेंद्र देशमुख, मिलिंद चौरे, बालाराम व्यास, अनिल हुंदानी, संजय दुबे, राजू मारवाड़े, वंदना पाठक, सरोज चावके, सुनील कोहले, सनी नसीने, सुभाष पटले, अंकित कुलकर्णी, प्रदीप बिसेन, विट्ठल कोठेवार, महेंद्र राहंगडाले, गज्जू वाकोड़े, सुभाष गायधने, अमित झा, अशोक हेमने, प्रकाश पटले, बबलू गभने, हरीश अग्रवाल, प्रणव मेश्राम, अनिल मेश्राम, गणेश जांगजोड़, बंडू सातव, मुकेश कोरे, हार्दिक जीवानी, निलेश राऊत, ओमकेश बोपचे, समरित नशिने, अनिल तिवारी, बंटी शर्मा, राजु लारोकर, अरुण चौधरी, तुषार घडोले, राजेश करोसिया, प्रवीण धामड़े, हर्ष उजवने, कोमल वाघमारे, संदीप बडगूजर, विमल चौधरी, संतोष गुप्ता सहित समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधायक अग्रवाल कार्यालय हमला प्रकरण

६ आरोपी २ दिन की पुलिस हिरासत

बुलंद गोंदिया - गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यालय पर सोमवार 27 जून की दोपहर 1.30 बजे के दौरान शिवसेना का दुपट्टा पहने शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा हमला किया गया था। इस मामले में गोंदिया शहर पुलिस द्वारा 6 आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया, जहां उन्हें 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। गौरतलब है कि विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यालय पर हमले प्रकरण में जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आरोपियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था। जिसके पश्चात शहर पुलिस द्वारा 6 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। जिसमें शाहरुख फिरोज निजाम खान बाराखोली निवासी, अमन उर्फ सोनू मुन्ना मोरे सतनामी नगर गोंदिया, सुमित गौतम बोरकर बब्बा भवन श्रीनगर, रोहित रधुनाथ साखरे यादव चौक, वसीम जलील शेख शास्त्री वार्ड व मुकेश उर्फ चिंटू अगडे कृष्णपुरा वार्ड को शहर पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 143, 147, 148, 149, 427 तथा सहायक धारा महाराष्ट्र पुलिस कानून 135 आर डब्लु 7 फौजदारी कानून 1932 के तहत मामला दर्ज किया गया तथा आगे की जांच शहर पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में की जा रही है।

९ कृषि केन्द्रो के लायसन्स रद्द

बुलंद गोंदिया - केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, सब्सिडी वाले उर्वरकों की बिक्री के लिए 1 नवंबर, 2017 से महाराष्ट्र राज्य में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना शुरु की गई है। खरीफ सीजन में श्रीनाथ कृषि केंद्र, ठाणे आमगांव, विनायक उर्वरक, कामठा, गोंदिया, श्याम कृषि केंद्र एकोड़ी, गोंदिया के लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित कर दिए गए हैं। सम्यक कृषि केंद्र सोनबिहारी त. गोंदिया, जय किसान कृषि केंद्र बनथार त. गोंदिया, हिंदुस्तान एग्री क्लिनिक कुड़वा त. गोंदिया, अंश कृषि केंद्र चुटिया गोंदिया, केवलराम कृषि केंद्र चुटिया त. गोंदिया, केंद्रीय कृषक सहकारी संस्था कटंगी त. गोंदिया, 7 कृषि केंद्रों श्री गणेश कृषि केंद्र पंढराबोडी गोंदिया के लाइसेंस 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिए गए हैं।

मालती कृषि केंद्र बम्हानी त.सालेकसा, पराडे कृषि केंद्र दशरथटोला बाम्हणी त.सालेकसा, नागपुरे कृषि केंद्र पठानटोला त. सालेकसा 3 कृषि केन्द्रो की फिर से जांच के साथ ही 9 कृषि केंद्रों के लाइसेंस शुरु न होने और लेन-देन न करने के कारण रद्द किए गए हैं। खरीफ सीजन 2022 में किसानों को सही गुणवत्ता के बीज और रासायनिक खाद उपलब्ध कराने के लिए जिले में कृषि केंद्र का निरीक्षण जिला निरीक्षकों द्वारा किया गया है। तदनुसार, श्री कृषि केंद्र सालंगटोला त. सालेकसा, किसान कृषि केंद्र साखारीटोला त. सालेकसा, राउत कृषि केंद्र साखारीटोला त.सालेकसा, ओम साई कृषि केंद्र मुंडीपार त.गोरेगांव, शेतकरी कृषि सेवा केंद्र त.सडक अर्जुनी, मानकर कृषि सेवा केंद्र देऊटोला त.गोरेगाव इन 6 को सख्त चेतावनी जारी की गई है।

उर्वरकों के भंडारण, उर्वरकों की कालाबाजारी या विदेशों में सब्सिडी वाले उर्वरकों की बिक्री के मामले में संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कीटनाशक अधिनियम 1968 और उर्वरक नियंत्रण आदेश 1983 और बीज अधिनियम 1966 के तहत उनके लाइसेंस निलंबित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी जिला कृषि अधीक्षक हिंदूराव चव्हाण ने दी है।

दुपहिया सवार ने पेड़ को मारी टक्कर

एक की मौत एक गंभीर जख्मी

बुलंद संवाददाता देवरी - देवरी तहसील के अंतर्गत चिचगढ़ से पिंडकेपार की ओर आते समय दुपहिया सवार द्वारा मार्ग के किनारे स्थित पेड़ को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई व एक गंभीर रुप से जख्मी हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिंडकेपार निवासी संदीप बागडेहरिया अपनी दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच40 एस5631 से चिचगढ़ से पिंडकेपार की ओर आ रहा था। इसी दौरान दुपहिया का संतुलन बिगड़ जाने से मार्ग के किनारे स्थित एक पेड़ को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पिंडकेपार निवासी ईश्वर वाघमारे (22) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा वाहन चालक संदीप बागडेहरिया के सिर व चेहरे पर गंभीर चोट आने से वह गंभीर रुप से जख्मी हो गया। जिसे उपचार के लिए नागपुर रवाना किया गया। उल्लेखनीय है कि वाहन पर सवार अन्य दो व्यक्तियों को मामूली चोट आयी। उपरोक्त घटना की जानकारी चिचगढ़ पुलिस थाने को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरु की तथा मामला दर्ज किया।

विश्व सिकलसेल और योग दिवस पर ४० कर्मचारियों ने किया रक्तदान

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वास्थ्य विभाग की अभिनव पहल

बुलंद गोंदिया - आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्व सिकलसेल और योग दिवस पर जिला परिषद गोंदिया राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन गोंदिया के कार्यालय में अभिनव पहल के उद्देश्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमे 40 कर्मचारियों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर उद्घाटक अपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश सुतार अर्चना वानखेड़े, जिला कार्यक्रम प्रबंधक गोंदिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर धन्वंतरि की पूजा की। उसके बाद स्वास्थ्य विभाग जिला परिषद गोंदिया, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला प्रशिक्षण केंद्र कार्यालय के 40 कर्मचारियों ने मेडिकल कॉलेज गोंदिया स्थित बाई गंगाबाई महिला अस्पताल शासकीय ब्लड बैंक कलेक्शन सेंटर के माध्यम से रक्तदान किया। जिले में सिकलसेल रोगियों के लिए रक्तदान करने के संकल्प के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य रुप से प्रशांत खरात जिला आईईसी अधिकारी, कु. अर्चना वानखेड़े जिला कार्यक्रम प्रबंधक, संकेत मोरघरे जिला लेखा प्रबंधक, शैलेंद्र तिवारी तालुका लेखाकार मोरगांव अर्जुनी, डॉ. पंकज पटेल जिला गुणवत्ता नियंत्रक, थानेंद्रसिंह येडे वरिष्ठ अभियंता, दिनेश मखीजा समूह लेखा सहायक, पवन फुंडे सहायक अभियंता, मनीष मदने डाटाएंट्री ऑपरेटर, गणेश सखारे कनिष्ठ सहायक, सदानंद चव्हाण स्वास्थ्य सहायक, कैलास खांडेकर जिला पीएम मातृवंदना योजना समन्वयक आदि और अन्य कर्मचारियों ने रक्तदान किया।

इस कार्यक्रम में बाई गंगाबाई ब्लड कलेक्शन ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. पल्लवी गेडाम, ब्लड बैंक की जनसंपर्क अधिकारी प्रेरणा धनवीर, चौधरी, पटले और डॉ. मून मौजूद थे। दिनेश सुतार ने युवाओं से स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील की ताकि ब्लड बैंक में रक्त की कमी न हो। अर्चना वानखेड़े ने बताया कि हीमोग्लोबिन का स्तर कम होने के कारण लोगों को स्वेच्छा से सिकलसेल रोगियों के लिए रक्तदान करना चाहिए। कार्यक्रम में रक्तदाताओं को बुके व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बंदूक की नोक पर शराब व्यवसायी से ५ लाख लुटे

बुलंद संवाददाता देवरी - देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले चिचगढ़ पुलिस थाना के तहत ककोड़ी चिचगढ़ मार्ग पर 28 जून की शाम 7.30 बजे के दौरान बंदूक की नोक पर अज्ञात आरोपियों द्वारा शराब व्यवसाई से 5 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए। उपरोक्त घटना ककोड़ी-चिचगढ़ मार्ग पर बड़ेगॉव जंगल परिसर में शाम 7.30 बजे के दौरान घटित हुई, जब ककोड़ी से शराब व्यवसाई देवराज गुण्णेवार (अण्णा) जो देसी शराब की दुकान किराए से चलाते हैं, वे दुकान के हिसाब के पैसे लेकर देवरी की ओर अपने चौपहिया वाहन से निकले थे। इसी दौरान अज्ञात लुटेरों द्वारा देवराज के वाहन को ओवरटेक कर रोका तथा उन पर बंदूक तान कर पैसे की मांग की। पैसे ना देने पर जान से मारने की धमकी देकर पैसे का बैग लेकर लुटेरे फरार हो गए। साथ ही पैसे का बैग व वाहन की चाबी भी साथ लेकर वे छत्तीसगढ़ मार्ग की ओर फरार हो गए।

उपरोक्त मामले की शिकायत फरियादी द्वारा चिचगढ़ पुलिस थाने में की गई है। जिस पर चिचगढ़ पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरु की गई है। परिसर में इस प्रकार की घटना होने पर भय का वातावरण निर्माण हो गया है।

दुपहिया को टिप्पर ने मारी टक्कर

2 नाबालिक की मौत 1 गंभीर जख्मी

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में गत दिनों धापेवाडा मार्ग पर टिप्पर की भीषण दुर्घटना के पश्चात फिर से एक और मामला सामने आया है। जिसमें मुंडीकोटा बस स्थानक के समीप बुधवार 29 जून की शाम 7.30 बजे के दौरान दुपहिया वाहन को टिप्पर द्वारा जबरदस्त टक्कर मार दी, जिसमें एक 12 वर्षीय नाबालिक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई व 15 वर्षीय नाबालिग की उपचार के दौरान मौत हुई। तथा 1 गंभीर रुप से जख्मी हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आनेवाले घाटकुरोडा निवासी सुरेश काबंले (40) यह अपने गांव की ओर दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच 36 पी 6585 से आ रहा था। इसी दौरान मुंडीकोटा बस स्थानक के समीप विपरीत दिशा से आ रहे टिप्पर ने दुपहिया वाहन को जबरदस्त टक्कर मार दी।

इस घटना में पीयूष सुरेश काबंले (12) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा ध्रुव काबंले (15) की उपचार के दौरान मौत हुई व सुरेश काबंले गंभीर रुप से जख्मी हो गया। दुपहिया वाहन को टक्कर मारने के पश्चात अज्ञात टिप्पर चालक घटनास्थल से टिप्पर लेकर फरार हो गया। गंभीर घायलों को उपचार के लिए तुमसर के शासकीय चिकित्सालय में रवाना किया गया व मृतक के शव को तिरोड़ा के उपजिला चिकित्सालय में शव विच्छेदन के लिए भेजा गया।

घटनास्थल पर कुछ लोगों द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि तहसील में अवैध मुरुम का उत्खनन बड़े पैमाने पर शुरु है। उपरोक्त टिप्पर द्वारा मुरुम का परिवहन किया जा रहा था, इस प्रकार की जानकारी सामने आयी है। समाचार लिखे जाने तक उपरोक्त घटना का मामला तिरोड़ा पुलिस थाने में दर्ज नहीं हुआ

संपादकीय

यह नफरत रोकनी होगी दोषियों को मिले कड़ी सजा

नफरत और गुस्से की नियमित खुराक के बगैर ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाली सोच नहीं पल सकती। अपने समाज से भी हमें उन प्रवृत्तियों की पहचान करके उन्हें खत्म करना होगा, जो जाने-अनजाने किसी खास धर्म, जाति या समूह के प्रति नफरत को जन्म देने या उसे फैलाने का काम करती हैं।

राजस्थान के उदयपुर में दो व्यक्तियों ने दिन-दहाड़े दुकान में घुसकर जिस नृशंसता के साथ टेलर की हत्या की, वह बेचौन करने वाली है। हत्या की वजह यह थी कि टेलर के सोशल मीडिया अकाउंट से बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के विवादित बयान का समर्थन किया गया था। हालांकि खबरों के मुताबिक टेलर का कहना था कि उसके बेटे ने गलती से उसके फोन से वह टिप्पणी पोस्ट कर दी थी और उसे इसके बारे में तब तक पता नहीं था जब तक कि उसके नाम से धमकियां नहीं आने लगीं। बहरहाल, उस टिप्पणी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया जा चुका था और पुलिस ने टेलर को गिरफ्तार भी किया था। बाद में वह अदालत से जमानत पर छूटकर आया था। मगर धमकियों का सिलसिला चलता रहा और मंगलवार को इस जघन्य कृत्य में उसकी परिणति हुई।

इस घटना का किसी भी रुप में बचाव नहीं किया जा सकता। कोई भी बयान, किसी भी तरह का गुस्सा या भावनाओं को पहुंची कितनी भी गहरी चोट इस घटना का बहाना नहीं बन सकती। पुलिस ने हत्या करने वाले और उसका विडियो बनाने वाले दोनों शख्स को गिरयतार कर लिया है। इन्हें तो कानून के तहत अधिकतम संभव कड़ी सजा दिलाई ही जाए, लेकिन घटना के हर पहलू की विस्तृत जांच भी होनी चाहिए। अच्छा है कि एनआईए ने आतंक के ऐंगल से भी जांच शुरु कर दी है। अगर इसके पीछे साजिश का कोई पहलू है तो उसका भी पता लगाना चाहिए और सभी संबंधित लोगों की पहचान कर उन्हें सजा दिलाई जानी चाहिए। समझना जरुरी है कि इस तरह की घटना समूचे राष्ट्र की चेतना को तो झकझोरती ही है, अक्सर लोकमानस में निर्णायक बदलाव का भी कारण बनती है।

समाज के समझदार और संवेदनशील तत्वों पर आज यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि इस घटना की प्रतिक्रियाएं नेगेटिव रुप न लें। अच्छी बात यह है कि अभी तक सभी पक्षों ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया संयत रुप में ही दी है। समाज और राजनीति के हर हिस्से ने घटना की तीखे शब्दों में निंदा की है। ध्यान रहे, दुनिया के जिस किसी इलाके में इस तरह की घटनाएं रुटीन का हिस्सा बनती हैं, वहां इनके पीछे नफरत का कोई स्थायी स्रोत पहले ही तैयार किया जा चुका होता है। नफरत और गुस्से की नियमित खुराक के बगैर ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाली सोच नहीं पल सकती। अपने समाज से भी हमें उन प्रवृत्तियों की पहचान करके उन्हें खत्म करना होगा, जो जाने-अनजाने किसी खास धर्म, जाति या समूह के प्रति नफरत को जन्म देने या उसे फैलाने का काम करती हैं। ऐसे लोग किसी भी धर्म, जाति या क्षेत्र के हों, उन्हें हर हाल में रोका जाना चाहिए। विकास की बुलंदियां छूने के लिए हमें शांति, प्रेम और सौहार्द का माहौल चाहिए न कि नफरत और हिंसा का।

उड़न तस्तरी दिवस

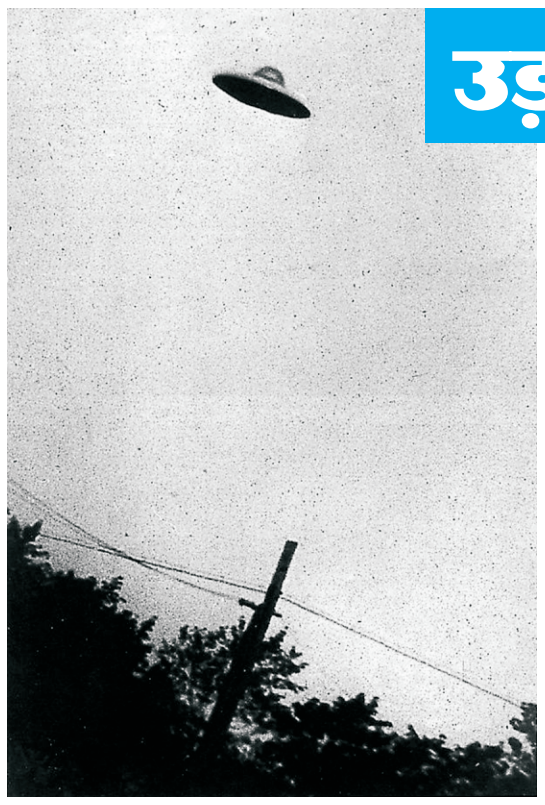

उड़न तश्तरी (अन्तरिक्ष)

उड़न तश्तरी आकाश में उड़ती किसी अज्ञात उड़ती वस्तु (यूएफओ (UFO)) को कहा जाता है। इन अज्ञात उड़ती वस्तुओं का आकार किसी डिस्क या तश्तरी के समान होता है या ऐसा दिखाई देता है, जिस कारण इन्हें उड़न तश्तरीयों का नाम मिला। कई चश्मदीद गवाहों के अनुसार इन अज्ञात उड़ती वस्तुओं के बाहरी आवरण पर तेज़ प्रकाश होता है और ये या तो अकेले घुमते हैं या एक प्रकार से लयबद्ध होकर और इनमें बहुत गतिशीलता होती है। ये उड़न तश्तरीयाँ बहुत छोटे से लेकर बहुत विशाल आकार तक हो सकतीं हैं।

इतिहास

उड़न तश्तरी शब्द 1940 के दशक में निर्मित किया गया था और ऐसी वस्तुओं को दर्शाने या बताने के लिए प्रयुक्त किया गया था जिनके उस दशक में बहुतायत में देखे जानें के मामले प्रकाश में आए। तब से लेकर अब तक इन अज्ञात वस्तुओं के रंग-रुप में बहुत परिवर्तन आया है लेकिन उड़न तश्तरी शब्द अभी भी प्रयोग में है और ऐसी उड़ती वस्तुओं के लिए प्रयुक्त होता है जो दिखनें में किसी तश्तरी जैसी दिखाई देती हैं और जिन्हें धरती की आवश्यकता नहीं होती।

वर्तमान स्थिति

उड़न तश्तरीयों के अस्तित्व को आधिकारिक तौर पर दुनिया भर की अधिकांश सरकारों द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है, लेकिन कुछ गवाह उड़न तश्तरीयों के देखे जाने का दावा करते हैं। इनके देखे जाने के बहुत से रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं। ऐसा माना जाता है की इन उड़ती वस्तुओं का संबंध परग्रही दुनिया से है क्योंकि इनके संचालन की असाधारण और प्रभावशाली क्षमता मनुष्यों द्वारा प्रयुक्त किसी भी उपकरण से बिल्कुल मेल नहीं खाती, चाहे वह सैन्य उपकरण हों या नागरिक वह बिल्कुल अलग दिखती है

आकार और बनावट

यूएफओ उड़न तश्तरीयों को अन्य यूएफओ समझ लेना एक आम बात है। जैसे इरिडियम नक्षत्र की निचली घुमावदार कक्षाओं में घूमते कृत्रिम उपग्रह और पृथ्वी के चारों ओर तेज़ गती से चक्कर लगाते जीपीएस के उच्च घुमावदार परिसंचारी, जो अपने पैनलों द्वारा सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिंबित करते हैं जो विद्युत ऊर्जा के उत्पादन में प्रयोग किया जाता है, लेकिन इस उत्सुकता के पीछे एक छोटा चमकदार बिन्दु है जो शाम से लेकर लगभग रात 8 से 9 बजे तक किसी के द्वारा भी देखा जा सकता है।

देखे जाने की घटनाएँ

31 जुलाई 1931 को न्यू जर्सी, अमेरिका में एक अभिकथित उड़न तश्तरी का खींचा गया छायाचित्र।

मानव इतिहास के प्राचीन काल से ही उड़न तश्तरीयों के देखे जाने के प्रतिवेदन हैं, लेकिन ये पिछले 50-60 वर्षों में अधिक प्रकाश में आई हैं। इनके अध्ययन को यूफ़ोलॉजी कहा जाता है। ये वे लोग होते हैं जो इस प्रकार के घटनावृत की खोज करते हैं। अन्य वस्तुएं जिन्हें उड़न तश्तरी समझ लिया जाता है, वे हैंरु आपातकालीन झंडे, मौसमी गुब्बारे, उल्काएं, चमकदार बादल इत्यादि।

अमेरिका के पेंसिलवेनिया राज्य में पीट्सबर्ग से 64 किमी दूर दक्षिण पूर्व में केक्सबर्ग के जंगलों के उपर एक अज्ञात वस्तु बहुत देर तक मंडराती रही। जिसने इसे देखा वो देखता ही रह गया। लेकिन देखते देखते ये अज्ञात वस्तु आग की लपटों से घिर गई। फिर इसमें एक भयंकर विस्फोट हुआ। आसपास का क्षेत्र हिल उठा। इस घटना के तुरंत बाद इस क्षेत्र को घेर लिया गया। और किसी को भी वहीं जाने नहीं दिया गया। बाद में उड़न तश्तरी की बात सामने आई। हालांकि नासा ने इसे उल्का पिंड का नाम दिया।

रुस के इतिहास में 1989 का साल काफी दिलचस्प रहा है। इस साल यहां कई बार यूएफओ देखे जाने की खबर मिली थी। सबसे पहले 14 अप्रैल के दिन चेरेपोवेस्क के इवान वेसेलोवा ने बहुत बड़ा यूएफओ देखने का दावा किया। फिर 6 जून के दिन कोनेंटसेवो में बहुत से बच्चों ने ऐसा दावा किया। 11 जून के दिन वोलागडा की एक महिला ने 17 मिनट तक उड़न तश्तरी देखने की बात कही। एक और मामले में करीब 500 लोगों ने ऐसा दावा किया। सबसे ज्यादा रोमांचक किस्सा 17 सितंबर 1989 का है। इस दिन वोरोनेज़ के एक पार्क में बच्चे खेल रहे थे। ऐसे में बहुत बड़ा लाल रंग का अंडाकार यान उतरा था। देखते ही देखते वहां बहुत से लोग जमा हो गए। कुछ देर बाद यान में से दो एलियन निकले। एक करीब 13 से 14 फीट लंबा था और उसकी तीन आंखें थीं। दूसरा रोबोट जैसा लग रहा था। बच्चे उसे देखकर चीखने लगे तो उसने एक बच्चे पर लाइट की बीम छोड़ी और बच्च लकवे जैसी स्थिति में पहुंच गया। उस जगह की रिसर्च करने पर वहां मिट्टी में रेडिएशन के निशान मिले। वहां फॉस्फोरस की मात्रा ज्यादा पाई गई। वैज्ञानिकों के अनुसार यूएफओ का वजन कई टन था।

1991 में एलिटालिया विमान सेवा के एक यात्री विमान ने उड़न तश्तरी का दर्शन काफी समीप से किया था। बीबीसी के मुताबिक इटली के राष्ट्रीय अभिलेखागार की ओर से जारी रक्षा मंत्रालय के गोपनीय दस्तावेजों में इस बात का वर्णन दिया गया है।

रुस में तिकोने आकार की दूसरे ग्रह से आई एक उड़नतश्तरी के कारण रुसवासी हैरत में पड़ गए थे। डेली मेल के अनुसार, यह उड़नतश्तरी कथित तौर पर 9 दिसम्बर 2009 को दिखाई दी। इसी दिन नार्वे के आसमान में नीले रंग का वृत्ताकार प्रकाश देखा गया था लेकिन बाद में बताया गया कि यह रुस से प्रक्षेपित एक असफल रॉकेट था।

साभार : विकिपीडिया

राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस

हर साल 1 जुलाई को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर में डाक कर्मियों द्वारा की जाने वाली सेवा के सम्मान में मनाया जाता है। राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस डाकियों और सभी डिलीवरी कर्मियों को धन्यवाद कहने का एक अनूठा तरीका है, क्योंकि अब ऑनलाइन शॉपिंग हम में से कई लोगों के लिए एक लाइफ लाइन बन गई है।

भारत में, कोविड-19 महामारी के दौरान डाक सेवाओं में विशिष्ट विविधता आई है। अब डाक विभागों में कार्यकर्ता नए कोरोना योद्धा बन गए हैं, जो कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

1 JULY

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (अंग्रेज़ी : नेशनल डॉक्टर डे) पृथ्वी पर मानवों का भगवान कहे जाने वाले चिकित्सकों को समर्पित है। अलग-अलग देशों में यह दिवस भिन्न-भिन्न तिथियों पर मनाया जाता है। भारत में चिकित्सक दिवस प्रतिवर्ष 1 जुलाई को मनाया जाता है। इस ख़ास दिन पर पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री बिधान चन्द्र राय को भी याद किया जाता है। बिधान चन्द्र राय देश के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ एक चिकित्सक भी थे। आज़ादी के बाद उन्होंने अपना सारा जीवन लोगों के लिए चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बिधान चन्द्र राय की स्मृति में ही राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस भारत में 1 जुलाई को मनाया जाता है।

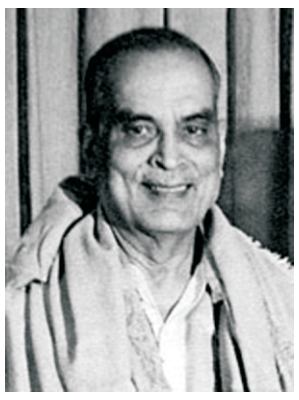

शुरुआत

चिकित्सकों का महत्त्व रेखांकित करने की आवश्यकता अमेरिका के जॉर्जिया निवासी डॉ. चार्ल्स बी. आल्मोंद की पत्नी यूदोरा ब्राउन आल्मोंद ने महसूस की थी। उनके प्रयासों से ही पहली बार 30 मार्च, 1930 को अमेरिका में डॉक्टर्स डे (चिकित्सक दिवस) मनाया गया। इस दिन को मनाने के पीछे चिकित्सकों का दैनिक जीवन में महत्त्व बताने की भावना प्रमुख थी। इसके लिए 30 मार्च की तारीख़ इसलिए चुनी गई थी, क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डॉ. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का इस्तेमाल किया था। इसीलिए तब से चिकित्सक दिवस मनाने का चलन शुरु हो गया।

भारत में चिकित्सक दिवस

अलग-अलग देशों में चिकित्सक दिवस अलग-अलग तिथि को मनाया जाता है। भारत में 1 जुलाई का दिन चिकित्सकों के लिए समर्पित है। वर्ष 1991 से भारत में इस दिन को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रुप में मनाने की शुरुआत हुई थी। 1 जुलाई को देश के प्रख्यात चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सेवी डॉ. बिधान चन्द्र राय का जन्मदिन और पुण्य तिथि दोनों ही हैं। 1 जुलाई, 1882 को बिहार में जन्मे बिधान चन्द्र राय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक अहम सिपाही रहे थे। आज़ादी के बाद उन्होंने अपना सारा जीवन अपने व्यवसाय यानि चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। पश्चिम बंगाल में अपने मुख्यमंत्री काल के दौरान उन्होंने कई अहम विकास कार्य किए। अपने अथक प्रयासों और समाज कल्याण के कार्यों के लिए उन्हें 1961 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान श्भारत रत्नश से भी सम्मानित किया गया था। 1 जुलाई, 1962 को उनका निधन हुआ।

चिकित्सक का महत्त्व

चिकित्सक धरती पर भगवान का दूसरा रुप होता है। भगवान तो एक बार जीवन देता है, किंतु डॉक्टर हमारी अमूल्य जान को बार-बार बचाता है। दुनिया में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहाँ डॉक्टरों ने भगवान से भी बढ़कर काम किया है। बच्चे को जन्म देना हो या किसी वृद्ध को बचाना हो, चिकित्सक की मदद हमेशा मुसीबतों से मानव को बचाती है। यही एक ऐसा पेशा है, जहाँ दवा और दुआ का अनोखा संगम देखने को मिलता है, इंसान को भगवान भी यहीं बनाया जाता है। चिकित्सकों ने मानव जाति के लिए बहुत समर्पण किया है। यदि भारत की बात की जाए तो देखेंगे कि यहाँ आज भी चिकित्सकों और वैद्यों का विशेष आदर-सत्कार किया जाता है। आधुनिक युग में तो चिकित्सकों की मांग और भी बढ़ गई है। चिकित्सक के इसी समर्पण और त्याग को याद करते हुए 1 जुलाई का दिन भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रुप में मनाया जाता है। चिकित्सक दिवस मनाने का सबसे बड़ा महत्त्व यह है कि सभी चिकित्सक अपनी ज़िम्मेदारियों को समझें और लोगों के स्वास्थ्य से सम्बन्धित दुरुख, तकलीफ और रोग आदि के प्रति सजग रहें।

जनता के विश्वास की डोर

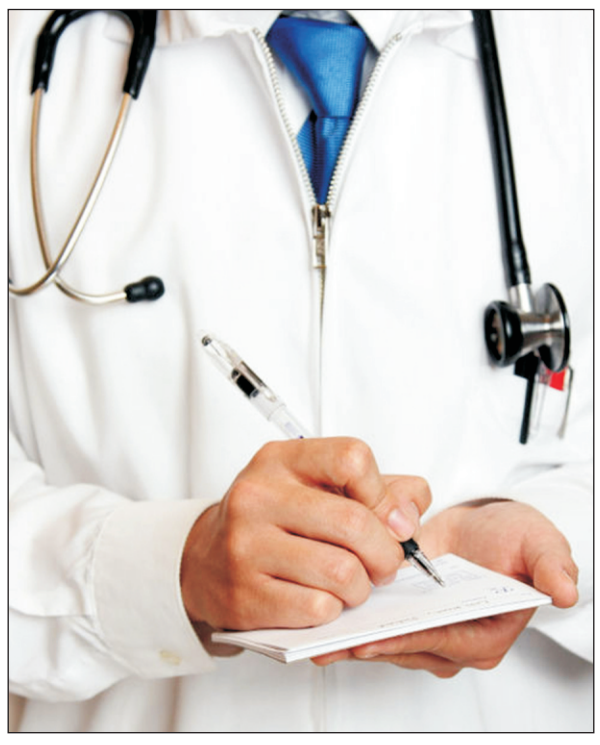

वर्तमान में चिकित्सा ही एक ऐसा व्यवसाय है, जिस पर लोग विश्वास करते हैं। इसे बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी चिकित्सकों पर है। चिकित्सा दिवस स्वयं चिकित्सकों के लिए एक महत्त्वपूर्ण दिन है, क्योंकि यह उन्हें अपने चिकित्सकीय प्रशिक्षण को पुनर्जीवित करने का अवसर प्रदान करता है। सारे चिकित्सक जब अपने चिकित्सकीय जीवन की शुरुआत करते हैं तो उनके मन में नैतिकता और ज़रुरतमंदों की मदद का जज्बा होता है, जिसकी वे कसम भी खाते हैं। इसके बाद भी कुछ लोग इस विचार से पथ भ्रमित होकर अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। चिकित्सक दिवस के दिन डॉक्टरों को यह मौका मिलता है कि वे अपने अंतर्मन में झाँके, अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझें और चिकित्सा को पैसा कमाने का पेशा न बनाकर, मानवीय सेवा का पेशा बनाएँ, तभी हमारा यह चिकित्सा दिवस मनाना सही और सार्थक सिद्ध होगा

मान-सम्मान

भारत में बिधान चन्द्र राय के जन्म दिन पर हर वर्ष श्राष्ट्रीय चिकित्सक दिवसश 1 जुलाई को मनाया जाता है, लेकिन इस परंपरा से परे अब चिकित्सा पेशे का वह पहले जैसा सम्मान नहीं रह गया है, साथ ही यह भी कहना होगा कि दूसरे पेशों का सम्मान भी समाज और देश में बढ़ते भ्रष्टाचार और मूल्यों में गिरावट के चलते कम हुआ है। चूँकि डॉक्टरी को लोग एक पेशे से परे ईश्वर की तरह का दर्ज़ा देते थे, इसलिए उससे अधिक निराशा होना भी स्वाभाविक था और उसकी बदनामी भी अधिक होनी थी। एक तरफ़ चिकित्सा के काम में नई तकनीक, उद्योग और बाज़ार के तौर-तरीक़ों के मुताबिक़ बड़ा पूंजीनिवेश और महंगा इलाज़, इन सबका आना और पैर जमाना हुआ, तो दूसरी तरफ़ इस पेशे से चिकित्सक और मरीज़ के इंसानी संबंध कुछ कमज़ोर हो गए। जब भी कोई पेशा कारोबार में तब्दील होता है तो उसके तरीक़े भी बदल जाते हैं। एक वक्त आज़ादी की लड़ाई में बहुत छोटी-छोटी सी मशीनों पर मालिक-संपादक अख़बार निकालते थे और जेल जाते थे।

वे लौटकर आते थे और फिर सरकार के ख़िलाफ़ लड़ते थे और फिर जेल जाते थे। लेकिन अब अख़बार मीडिया हो गए, बड़े-बड़े कारोबार हो गए, और उनके नीति-सिद्धांत कमज़ोर हो गए। अब किसी बहुत बड़े और ताक़तवर के ख़िलाफ़ छपने की गुंजाइश कम रह गई है। यही हाल राजनीति और चुनाव के महँगे होते चले जाने से नेताओं का हो गया, इसलिए सिर्फ़ चिकित्सको को कोसने से बात न्यायसंगत नहीं कही जा सकती।

गरीबों का इलाज

वर्तमान में भारत में ग़रीबों के इलाज़ की हालत बहुत ख़राब है। पढ़े-लिखे चिकित्सक दूर-दराज के गाँवों तक जाना नहीं चाहते और जिस सरकारी नौकरी के लिए एक वक्त हिन्दुस्तानी जनता पूजा-पाठ करती थी, वैसे सरकारी चिकित्सकों की कुर्सियाँ छोटे से छत्तीसगढ़ में सैकड़ों की संख्या में ख़ाली पड़ी हुई हैं। भारत में चिकित्सकों के संगठन और चिकित्सा-शिक्षा के लिए बनाई गई सरकारी संस्था, इन दोनों ने छत्तीसगढ़ में तीन साल की चिकित्सा-शिक्षा का घोर विरोध किया था और अदालत तक दौड़ लगाकर उस कोर्स को ख़ारिज़ करवाकर दम लिया था। लेकिन आज सरकारी चिकित्सा कॉलेजों की गिनी-चुनी सीटों के अलावा निजी मेडिकल कॉलेजों में दस-दस, बीस-बीस लाख रुपए का कालाधन देकर एक-एक बच्चे का दाख़िला होता है और लाखों रुपए साल की फ़ीस के दस बरसों बाद कोई पोस्ट ग्रेजुएट बनकर निकलता है। ऐसे चिकित्सक किस तरह गाँवों में या ग़रीबों के बीच जाकर काम कर सकते हैं? न तो उनके वक्त की और न ही उनकी पूंजी की लागत निकलेगी। ऐसे में छत्तीसगढ़ में लगभग अशिक्षित या अल्पशिक्षित महिलाओं को मितानिन बनाकर कुल डेढ़ दर्जन दवाओं से रोज़मर्रा की तकलीफों का इलाज़ शुरु करवाकर इस राज्य ने गाँव-गाँव की तस्वीर बदल दी है। यहाँ के गाँवों में शिशु-मृत्यु दर इतनी गिर गई कि पूरी दुनिया ने इस मॉडल की तरफ़ उम्मीद की नज़रों से देखना शुरु किया। ऐसे में चिकित्सा को सिर्फ़ एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों का ही एकाधिकार बनाकर रखना ठीक नहीं है। लोकप्रिय हो गई एलोपैथिक पद्धति में तीन बरस का कोर्स दुबारा शुरु करना चाहिए, जो कि गाँव और ग़रीब के काम का रहेगा। एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों को अपनी शहरी-संपन्न और कुलीन सोच को छोडक़र ग़रीबी की हक़ीक़त को देखना चाहिए।

सीए दिवस

1 JULY

सनदी लेखाकार या अधिकारपत्र प्राप्त लेखाकार (Chartered Accountants या सीए) किसी निश्चित (ब्रिटिश राष्ट्रमंडल के राष्ट्रों एवं आयरलैंड गणराज्य की) व्यवसायिक लेखाशास्त्र संस्था या संघ के सदस्यों द्वारा प्रयोग की जाने वाली उपाधि है। इन्हें अँग्रेज़ी में चार्टर्ड अकाउंटैंट कहा जाता है। सनदी लेखाकार सभी व्यवसायों / व्यापारों या वित्तीय क्षेत्रों में कार्यरत है। कुछ लोक अभ्यास (public practice work) में कार्यरत होते हैं, अन्य निजि क्षेत्र में व कई सरकाई संस्थाओं में होते हैं।

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान भारत का एक राष्ट्रीय पेशेवर लेखा निकाय है। यह 1 जुलाई 1949 को सनदी लेखाकार अधिनियम 1949 के अंतर्गतनिगमित निकाय के रुप में स्थापित किया गया था। अपने अस्तित्व के लगभग छह दशकों के दौरान, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान न केवल देश में एक प्रमुख लेखा निकाय के रुप में मान्यता हासिल की है लेकिन यह विश्व स्तर पर भी शिक्षा, व्यावसायिक विकास, उच्च लेखांकन, लेखा परीक्षा और नैतिक मानकों के रखरखाव के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए जाना जाता है। ICAI सदस्यता के मामले में American Institute of Certified Public Accountants के बाद दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी पेशेवर लेखा संस्थान है। ICAI कंपनियों पर लागु होने वाले लेखा मानको की सिफारिश लेखांकन मानकों की राष्ट्रीय सलाहकार समिति (NACAS) से करती है और अन्य संगठनों पर लागु होने वाले लेखा मानकों का निर्धारण करती है। कोई भी व्यक्ति निर्धारित परीक्षाओं में भाग ले कर और तीन साल के व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौर से गुजर कर ICAI का सदस्य बन सकता है। सदस्यता की परीक्षा अपने कठोर मानकों के लिए जानी जाती है।

भूमिका

ICAI की स्थापना सनदी लेखाकार अधिनियम, 1949 के तहत भारत में लेखांकन के पेशे के विनियमन के उद्देश्य से की गयी थी। यह एक चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने की योग्यता को निर्धारित करता है, परीक्षा लेता है तथा लेखांकन की प्रेक्टिस करने का लाइसेंस देता है। इसके अलाव यह सरकारी संस्थाओ जैसे की RBI, SEBI, MCA, CAG, IRDA आदि को नीति निर्माण में सहयोग करता है।

बाढ़ की परिस्थिति में बचाव के लिए सजग है हम

जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने गोरेगांव के कटंगी जलाशय में की मॉकड्रिल

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में मानसून के दौरान बाढ़ व आपातकालीन स्थिति की तैयारी के पूर्व प्रशिक्षण के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गोंदिया द्वारा बाढ़ की स्थिति व अन्य आवश्यक सामग्री जिसमें ओबीएम (नाव के इंजन) तथा तलाश व बचाव के कार्यों के लिए उपयोग में लाई जाने वाली नाव का प्रशिक्षण गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आनेवाले कटंगी जलाशय में कर मॉकड्रिल की।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में गत वर्ष बाढ़ की स्थिति को मद्देनजर इस वर्ष जिला प्रशासन व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गोंदिया द्वारा इस परिस्थिति में जान माल की हानि के असर को कम करने के लिए जन जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके तहत नागरिकों को बाढ़ व आपातकालीन स्थिति में तत्काल मदद उपलब्ध कराने के लिए जिला राहत व बचाव दल द्वारा नियमित मॉकड्रिल कर प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी के तहत गोरेगांव तहसील के कटंगी जलाशय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विशेष यह है कि गोंदिया जिले के 96 ग्रामों में बाढ़ की संभावित स्थिति निर्माण होती है तथा जिले में मानसून द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई जा चुकी है। मानसून के दौरान आपदा व्यवस्थापन यंत्रणा के माध्यम से बाढ़ की स्थिति में राहत व बचाव के उपयोग में आने वाली रबड़ फाइबर बोट, लाइफ जैकेट, लाइफबाय, इमरजेंसी लाइट, इबीएम मशीन तथा अनुपयोगी वस्तु से तैयार की गई फ्लोटिंग डिवाइस इन सभी साहित्य का परीक्षण कर अपनी यंत्रणा को सजग किया है।

कटंगी जलाशय में खोज एवं बचाव दल के सदस्य नरेश उइके, राजकुमार खोटेले, जसवंत रहांगडाले, रवींद्र भंडारकर, संदीप कराडे, दीनू दीप, राजाराम गायकवाड़, महेंद्र तजने, दुर्गाप्रसाद गंगापारी, मनोज केवट, इंद्रकुमार बिसेन आदि मौजूद थे। बाढ़ की स्थिति में किए जाने वाले कार्यों, नागरिकों को सुरक्षित निकालने के उपाय, जिला नियंत्रण कक्ष के संचालन, मानक प्रक्रिया (एसओपी) और सभी संबंधितों के समन्वय के लिए जिला आपदा प्रबंधन खोज और बचाव दल द्वारा आवश्यक तैयारी की गई है।

बाढ़ नियंत्रण के लिए अंतर्राज्यीय समिति

इस वर्ष बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मध्यप्रदेश के शिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट जिलों और महाराष्ट्र के गोंदिया, भंडारा, गढ़चिरौली, चंद्रपुर, वर्धा और नागपुर जिलों की अंतर्राज्यीय बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक संभागीय आयुक्तों की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में मध्यप्रदेश में संजय सरोवर से वैनगंगा नदी के माध्यम से निर्वहन के संचालन के साथ-साथ बांध का पानी छोड़ने से पहले पूर्व सूचना और सभी संबंधित जिलों के आपस में समन्वय के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस बीच, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के संबंधित जिलों के जिला कलेक्टरों ने बाढ़ की स्थिति के दौरान अपने जिलों में बांधों और नदियों की स्थिति और संबंधित प्रणाली को सुसज्जित रखने के बारे में जानकारी दी। जिला प्रशासन इस साल बाढ़ की स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है।

अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा १ से १५ जुलाई तक

बुलंद गोंदिया - विशेष डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा लागू करने के लिए 20 जून 2022 को सभी स्वास्थ्य संस्थानों के चिकित्सा अधिकारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। अपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश सुतार ने इस अभियान के बारे में निम्नलिखित जानकारी दी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का मुख्य उद्देश्य राज्य में शिशु मृत्यु दर को कम करना है। देश में 5 साल तक के बच्चों की मौत का प्रमुख कारण डायरिया है और लगभग 10 फीसदी बच्चों की मौत डायरिया से होती है। गर्मी और बरसात के मौसम में इसके मामले ज्यादा होते हैं। एक विशेष डायरिया नियंत्रण को लागू करने का निर्णय लिया गया है। 1 जुलाई 15 जुलाई 2022 की अवधि के डायरिया नियंत्रण पखवाड़े के दौरान डायरिया में बरती जाने वाली सावधानियों, ओआरएस व जिंक की गोलियों के प्रयोग, हाथ धोने की विधियों का प्रदर्शन आशा स्वयंसेवक के माध्यम से किया जा रहा है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में ओआरएस और जिक कॉर्नर की स्थापना में अतिसार से पीड़ित कुपोषित बच्चों का इलाज भी शामिल है। 83858 पात्र लाभार्थी हैं। इस अभियान में जिले के 1148 आशा स्वयंसेवकों के माध्यम से हर गांव में प्रतिदिन 100 से 130 घरों का दौरा किया जाएगा। बच्चों की जानकारी लेकर घर के अभिभावकों को ओआरएस घोल बनाने का प्रदर्शन कर स्वच्छता के महत्व पर बल दिया जाएगा।

कार्यशाला के अवसर पर जिला सर्जन डॉ. अमरीश मोहबे, जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश चौरागड़े, रेजिडेंट चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.डी. जायसवाल, जिला संक्रामक रोग अधिकारी निरंजन अग्रवाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अर्चना वानखेड़े, सभी तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, जिला पर्यवेक्षक, जिला कार्यक्रम समन्वयक आदि उपस्थित थे।

कृषि संजीवनी अभियान के तहत महिला कृषि तंत्रज्ञान सक्षमीकरण

बुलंद गोंदिया - कृषि पुनरोद्धार सप्ताह के तहत जिला कृषि कार्यालय द्वारा महिला कृषि प्रौद्योगिकी अधिकारिता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला संरक्षक सचिव श्याम तगड़े ने कहा कि किसान अपने खेतों में विभिन्न प्रकार की फसलें उगा रहे हैं, लेकिन कुछ उपज की बाजार में मांग नहीं है। इसलिए किसानों को वही फसल पैदा करनी चाहिए जो बाजार में मांग में हो।

जिलाधिकारी नयना गुंडे ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह एक साथ आएं और कृषि तकनीक को अपनाकर कृषि के क्षेत्र में प्रगति करें। जिला कृषि अधीक्षक हिंदूराव चव्हाण ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग योजना, अहिल्या देवी होल्कर नर्सरी योजना, जैविक कृषि एवं महिला कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं प्रौद्योगिकियों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। केवीके के डॉ सैयद अली ने जैविक खेती और महिला समूहों के लिए उपयोगी मीना दाल मिलों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा आदिवासी किचन गार्डन के बीज महिला किसानों को वितरित किए गए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, एमएवीआईएम के जिला समन्वयक संजय सांगेकर, उप निदेशक कृषि धनराज तुमदाम, तकनीकी अधिकारी कावेरी बिक्री, कृषि अधिकारी पवन मेश्राम और महिला किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वीरांगना महारानी दुर्गावती के पुण्यतिथि पर आदिवासी महिला जन जागृति कार्यक्रम

बुलंद गोंदिया - नेशनल आदिवासी महिला फेडरेशन व गोंडवाना मित्र मंडल गोंदिया द्वारा गोंडवाना की वीरांगना महारानी दुर्गावती की पुण्यतिथि आदिवासी कॉलोनी कुड़वा में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर आदिवासी महिलाओं के लिए जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया था। साथ ही इस ग्राम गंगाझरी गोंदिया तहसील में वीरांगना दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम हुआ। आदिवासी समाज प्रबोधन कार्यक्रम महिला जनजागृति सम्मेलन व विभिन्न को विभिन्न संगठनों के माध्यम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के बुजुर्ग, युवा, मातृशक्ति तथा आयोजक मंडल द्वारा प्रयास किया गया। कार्यक्रम में पधारे अतिथि व समाज बंधुओं का आभार नेशनल आदिवासी महिला फेडरेशन गोंदिया द्वारा व्यक्त किया गया।

दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष टिकट काउंटर करे शुरु

बुलंद गोंदिया - गोंदिया रेल्वे स्थानक पर यात्रियों की असुविधाओं को ध्यान में रखकर विशेष सेवाएं दिलवाने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को अनेक मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें प्रमुख रुप से दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष काउंटर टिकट घर मे उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। यह विषय एक मानवता दृष्टिकोण से बहुत ध्यान देने योग्य है। यह सेवा गोंदिया के साथ अगर पूरे भारत मैं शुरु होती है तो दिव्यांग और विकलांग यात्रियों को टिकिट लेने में परेशानियों का सामना नही करना पड़ेगा। इसी गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सलाहकार समिति ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा व सेवा जल्दी से जल्दी शुरु कराने की मांग की गई। कोरोना आपातकालीन स्थिति के चलते यात्रियों के लिए 2 वर्षों से बंद काउंटर टिकट चालू कर दिये गये है, जिससे यात्रियों में अब खुशी की लहर है। इस पर रेलवे समिति ने स्टेशन प्रबंधक कुशवाहा को आभार पत्र दिया और समिति की ओर से रेलवे प्रशासन का धन्यवाद किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समिति के सदस्य छैलबिहारी अग्रवाल, सूरज नशीनें, दिव्या भगत पारधी, हरीश अग्रवाल उपस्थित थे।

बीजेपी का मास्टर स्ट्रोक

महाराष्ट्र में एकदम नाटकीय घटनाक्रम में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाकर बीजेपी ने कई निशाने साधे हैं। सबसे पहले ठाकरे परिवार जिस विक्टिम कार्ड पर सबसे ज्यादा भरोसा कर रहा था, वह लगभग बेअसर हो चुका है। बीजेपी कह सकती है कि हमने तो शिवसैनिक को ही सत्ता सौंपी है।

करीब दस दिन की जडोजहद के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बुधवार रात दिए इस्तीफे से जिस घटनाक्रम का एक चरण पूरा हुआ, उसी का अगला चरण गुरुवार को शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के सीएम पद के शपथ ग्रहण पर जाकर समाप्त हुआ। आखिरी पलों तक यही माना जा रहा था कि बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री होंगे और एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री। लेकिन एकदम नाटकीय घटनाक्रम के तहत राजभवन में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में देवेंद्र फडणवीस ने शिंदे के अगला मुख्यमंत्री होने की घोषणा करके सबको चौंका दिया। बीजेपी के इस मास्टरस्ट्रोक ने प्रदेश में राजनीति की बिसात पर अब तक चली जा रही सभी चालों को निरस्त कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे कह चुके हैं कि अगर मेरे बाद कोई शिवसैनिक मुख्यमंत्री हुआ तो मुझे खुशी होगी। उस घोषणा के पीछे भी यही आकलन था कि बड़ी पार्टी होने के नाते बीजेपी मुख्यमंत्री पद अपने पास ही रखेगी। बागी विधायकों के पास अधिक से अधिक उपमुख्यमंत्री का पद ही आएगा। दलील यह थी कि आखिर शिवसेना और बीजेपी के अलगाव का मूल कारण भी मुख्यमंत्री पद ही था। बीजेपी अधिकारियों के अनौपचारिक बातचीत में दिए गए एक कथित वादे का हवाला देते हुए शिवसेना मुख्यमंत्री पद मांग रही थी जबकि बीजेपी का कहना था कि ऐसा कोई वादा किया ही नहीं गया था और ज्यादा विधायकों वाली पार्टी के नाते इस पद पर उसका हक है।

मगर इन तमाम दलीलों को गलत साबित करते हुए बीजेपी ने शिंदे को मुख्यमंत्री पद देकर एक तीर से कई शिकार कर लिए हैं। तात्कालिक तौर पर ठाकरे परिवार जिस विक्टिम कार्ड पर सबसे ज्यादा भरोसा कर रहा था, वह लगभग बेअसर हो चुका है। बीजेपी कह सकती है कि हमने तो शिवसैनिक को ही सत्ता सौंपी है। बागी विधायकों का समूह भी उद्धव ठाकरे के पहले के बयान का हवाला देते हुए उनसे समर्थन देने की अपील कर सकता है। बाला साहब ठाकरे के हिंदुत्व को आगे ले जाने की शिंदे की घोषणा अब आम शिवसैनिकों के लिए अविश्वसनीय नहीं रह जाएगी। वह विभाग प्रमुख, जिला प्रमुख और शाखा प्रमुख के स्तर तक शिवसैनिकों को खुद से जोड़ने या दूसरे शब्दों में पार्टी संगठन पर कब्जा करने का प्रयास करेंगे। दूसरी तरफ, उद्धव भी कार्यकर्ताओं को अपने साथ बनाए रखने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। बीजेपी की रणनीति की बात करें तो उसका मकसद राज्य में पार्टी का विस्तार है, जो हिंदुत्व की राजनीति करने वाली शिवसेना की कीमत पर ही हो सकता है। ऐसा नहीं लगता कि बीजेपी इसे लेकर बहुत जल्द आक्रामक रुख अपनाएगी क्योंकि इससे शिंदे के साथ संबंधों पर आंच आ सकती है। यह देखना होगा कि लंबी अवधि में हिंदुत्व की राजनीति के विस्तार के लिए राज्य में पार्टी क्या करती है। इससे भी बड़ी बात यह है कि महाराष्ट्र में विपक्ष के हाथ से सत्ता छीनकर बीजेपी ने अगले लोकसभा चुनाव से पहले उसे बड़ा झटका दिया है।

कृषि में सफलता की कहानी

जैविक खेती से संतोष पारधी ने की प्रगति

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला तहसील आमगाँव के धामनगाँव निवासी संतोष हिरदीलाल पारधी वर्ष 2005 से जैविक खेती कर रहे हैं और वे इसके महत्व को समझते हैं। 2017 में, उन्होंने आत्मा के तहत पारंपरिक कृषि विकास योजना के तहत एक जैविक खेती समूह स्थापित करने के लिए अपने गांव में 50 किसानों की एक बैठक आयोजित की। उन्हें ऑर्गेनिक फार्मिंग ग्रुप का अध्यक्ष चुना गया।

गांव के किसान रासायनिक रुप से धान की खेती करते थे। लेकिन उन्होंने किसानों को अपने खेतों में सफल जैविक खेती दिखाई और धीरे-धीरे सभी किसान जैविक खेती की ओर मुड़ गए। समय-समय पर गांव में जैविक खेती पर मार्गदर्शन कार्यक्रम होते थे, जिसमें उन्होंने हमेशा किसानों का मार्गदर्शन किया। समूह के 50 किसानों ने जैविक खेती शुरु की लेकिन अन्य किसानों ने भी जैविक खेती शुरु की और अब पूरा धामनगांव जैविक खेती कर रहा है। वे उन किसानों को घरेलू दवा उपलब्ध कराते हैं जो अपनी जैविक दवा नहीं बना सकते।

संतोष पारधी ने जैविक खेती के लिए अपनी वर्मीकम्पोस्ट इकाई स्थापित की। नाडेप कम्पोस्ट खाद इकाई का निर्माण वे ठोस, मृत, मृत बीज तैयार करके मिट्टी को बेहतर बनाने का काम करते हैं। वे फसल को कीटों और रोगों से बचाने के लिए दशपर्णी अर्क, अग्निस्त्र, ब्रम्हास्त्र, निमार्क, निमोइन, नीम के अर्क आदि से बनी दवाओं का भी उपयोग करते हैं। वे अपने खेतों में एज़ेटोबैक्टर, राइज़ोबियम, पीएसबी, मेटेरिज़मि आदि जैसे कवकनाशी का भी उपयोग कर रहे हैं और गाँव के अन्य किसान उनके उदाहरण का अनुसरण कर रहे हैं।

यह इस बात का व्यावहारिक उदाहरण है कि कैसे किसान जैविक और आर्थिक रुप से खेती कर सकते हैं। अपनी दृढ़ता और रचनात्मक सोच के कारण धान की जैविक खेती के तहत क्षेत्र को बढ़ाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अब उस गांव और क्षेत्र में 30000 हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जा रही है और किसानों ने रासायनिक उर्वरकों और दवाओं पर 2 लाख रुपये की बचत की है। कृषि विभाग किसानों के लाभ के लिए कृषि विभाग का आदर्श वाक्य है कि उनकी मेहनत गांव और आसपास के क्षेत्र की सफलता के लिए अमूल्य है।

विकास कार्यों का विधायक रहांगडाले के हस्ते भूमि पूजन

बुलंद संवाददाता तिरोड़ा - तिरोडा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले के माध्यम से तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले चोरखमारा में जिला वार्षिक निधि के अंतर्गत मार्ग निर्माण के लिए 30 लाख व विधायक स्थानीय निधि के अंतर्गत सभा मंडप निर्माण के लिए 10 लाख रुपए निधि तथा ग्राम कोयलारी में मार्ग निर्माण के लिए 20 लाख रुपए तथा कोडेलोहारा में स्कूल कक्ष के निर्माण के लिए 5 लाख की निधि इस प्रकार 65 लाख रुपए के मंजूर विकास कार्यों का भूमि पूजन विधायक विजय राहंगडाले के हस्ते संपन्न हुआ।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिप सदस्य उमेश्वरी बघेले, एपीएमसी के पूर्व सभापति डॉ चिंतामन राहंगडाले, पंचायत समिति सदस्य तेजराम चौहान, दीपिका टेंभेकर, भाजपा महामंत्री अनूप बोपचे, सरपंच सुरेखा पटले, चंद्रशेखर पटले, पूर्व सरपंच कांचन रामटेके, सदस्य राधेश्याम पटले, रविंद्र ठाकरे, रमेश परतेती, प्रमोद मेश्राम, सलिता झगेकार, संगीता ऊके, पारबता छीरसागर, संगीता चन्ने, वर्षा राऊत, वसंता कुभरे, जितेंद्र आदि उपस्थित थे।

विपक्ष नहीं एकजुट

राष्ट्रपति चुनाव 2022 को लेकर अभी तक विपक्ष के पास अभी कोई स्पष्ट रणनीति नहीं है। उधर सत्ता पक्ष में इसे लेकर किसी दुविधा या उलझन में नहीं है। उसके सामने सभी सहयोगियों को साथ रखने की चुनौती जरुर है लेकिन इसे लेकर पार्टी परेशान नहीं है। हां, नीतीश कुमार के हालिया रुख की वजह से थोड़ी चिंता है।

अगले महीने प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सत्तारुढ़ और विपक्षी खेमों में गतिविधियां जरुर शुरु हो गई हैं, लेकिन अभी तक मामला औपचारिक कोशिशों से आगे नहीं बढ़ पाया है। और तो और विपक्षी दलों में इसे लेकर कोई एकता भी नहीं दिख रही है। 2024 में आम चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति इलेक्शन समेत उससे पहले होने वाले सभी चुनावों में विपक्ष किस तरह से गोलबंदी करता है, यह मायने रखता है। इसी गोलबंदी से तय होगा कि अगले लोकसभा चुनाव में ताकतवर बीजेपी का ये पार्टियां कैसे मुकाबला करेंगी और क्या वे उसे मजबूत टक्कर दे पाएंगी? राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जहां विपक्ष के पास अभी कोई स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आ रही है, वहीं सत्ता पक्ष में इसे लेकर दुविधा या उलझन के कोई संकेत नहीं हैं। उसके सामने सभी सहयोगियों को साथ रखने की चुनौती जरुर है। खासकर, नीतीश कुमार के हालिया रुख की वजह से यह चुनौती कुछ गंभीर लगने लगी है। लेकिन इसके बरक्स विपक्षी खेमे को देखें तो वहां उलझन और दुविधा ही नहीं आपसी स्पर्धा और तालमेल की कमी भी साफ दिख रही है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से विपक्षी दलों के नेताओं से संपर्क साधने की प्रक्रिया शुरु ही हुई थी कि टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अपनी तरफ से विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक बुला ली। इस जल्दबाजी पर कई दलों और नेताओं ने एतराज भी जताया। कई दलों ने प्रमुख नेताओं के बजाय दूसरी-तीसरी पांत के नेताओं को भेजकर काम चला लिया।

तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख केसीआर काफी पहले से विपक्षी दलों को एकजुट करने की मुहिम में लगे हुए हैं। इसके बावजूद उन्होंने बैठक में शामिल होना जरुरी नहीं समझा। यहां तक कि उनकी पार्टी की तरफ से कोई प्रतिनिधि भी इस बैठक में नहीं भेजा गया। ध्यान रहे, राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष जीत-हार की लड़ाई नहीं लड़ रहा। चुनाव होने की स्थिति में सत्तारुढ़ एनडीए के उम्मीदवार का जीतना लगभग तय माना जा रहा है। अगर कुछ महत्वपूर्ण है तो यह सवाल कि दोनों पक्षों में से कौन सा पक्ष कितनी एकजुटता और कितना सामंजस्य बनाए रखते हुए कितनी अच्छी रणनीति से लड़ता है और यह भी कि बाड़ पर खड़े दलों में से कौन कितने को अपनी तरफ खींच पाता है। इस लिहाज से शिरोमणि अकाली दल, आम आदमी पार्टी, बीजेडी और वाईएसआरसीपी जैसे नॉन-एनडीए दल विपक्षी खेमे के लिए महत्वपूर्ण हैं। फिर भी ये सभी पार्टियां विपक्षी दलों के नेताओं की इस बैठक से गैरहाजिर रहीं। कहा जा सकता है कि यह तो पहली ही बैठक थी। ममता बनर्जी के शब्दों में यह महज शुरुआत है। लेकिन शुरुआती संकेत अच्छे नहीं हैं। विपक्ष को अगर राष्ट्रपति चुनाव के जरिए कोई अच्छा संदेश देना है तो उसे अपने खेमे के अंदर की अनिश्चितता को दूर करते हुए सबको साथ लेकर चलने की क्षमता प्रदर्शित करनी होगी।

जिले के आश्रमशाला में पढ़नेवाले व प्रवासी मजदूरों व बच्चों से अपील

बुखार आने पर कराएं खून की जांच

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले की सीमा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ व गढ़चिरौली जिले से लगती है। हर साल जिले के मजदूर पत्ते के मौसम तेंदु के पत्ते, बास कटाई, सड़क निर्माण कार्यों और अन्य विभिन्न कार्यों के लिए पलायन करते हैं। लेकिन वहां जाने के बाद वे अपनी सेहत का ध्यान रखे बिना दिन-रात काम करते हैं और खुले में सोते हैं। गोंदिया से सटे सीमा क्षेत्र में वनावरण के कारण वापस जाते समय बीमार होने या मलेरिया होने की आशंका बनी रहती है।

हालांकि, अगर रास्ते में बुखार जैसे या अन्य लक्षण मिलते हैं तो सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के साथ-साथ ग्राम स्तर की आशा स्वयंसेवक के पास भी मलेरिया जांच के लिए जाएं। त्वरित ताप सर्वेक्षण कीट उपलब्ध है। डॉ.दिनेश सुतार, अपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बिना किसी बुखार को समझे ब्लड टेस्ट कराने की अपील की।

साथ ही जिले में अब स्कूल, कॉलेज और आश्रम स्कूल भी शुरु किए जाएंगे। अधिकांश छात्र गोंदिया जिले के विभिन्न हिस्सों से बाहर से सीखने आते हैं। खासकर आश्रम स्कूल के बच्चे छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती गांव गढ़चिरौली से सीखने के लिए गोंदिया आते हैं। चूंकि गोंदिया जिले से सटे गांवों में मलेरिया का खतरा बहुत अधिक है, इसलिए वे मलेरिया के साथ गोंदिया आते हैं और बीमार हो जाते हैं। हालांकि आश्रम विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने गांव में आशा स्वयंसेवक के पास मलेरिया की आरडीके किट से जांच कराकर बीमार बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाने की अपील की वेद प्रकाश चौरागड़े, जिला मलेरिया अधिकारी गोंदिया ने की है।

प्रवासी मजदूरों और आश्रम के स्कूलों के बच्चों को मलेरिया जैसे बुखार, ठंड लगना, शरीर में दर्द, मतली, उल्टी, दस्त और दस्त जैसे किसी भी लक्षण की जांच के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाने की चुनौती है। अमरीश मोहबे जिला सर्जन द्वारा किया है।

पार्किंग प्लाजा के लोकार्पण के बाद भी सड़कों पर लग रहा जाम

अस्त-व्यस्त वाहनों से यातायात हो रहा बाधित

बुलंद गोंदिया - शहर की पार्किंग व्यवस्था में सुधार लाने के लिए नप द्वारा करीब 8 करोड से अधिक की लागत से पार्किंग प्लाजा इमारत का निर्माण किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इमारत में सैकडो वाहनों को रखने की सुविधा उपलब्ध की गई। इमारत का लोकार्पण हाल ही में नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद पटेल के हस्ते किया गया। इमारत के बंद द्वार खुलने की प्रतिक्षा कर रहे नागरिकों ने राहत की सांस ली। लेकिन पार्किंग व्यवस्था में कहीं भी सुधार नजर नहीं आया। मार्केट परिसर के मार्गो के हालात जैसे थे, वैसे ही नजर आ रहे है। अस्ताव्यस्त वाहनों से आए दिन जाम लग रहा है। ऐसा ही नजारा शनिवार 18 जून को शहर के नेहरुचौक से गोरेलाल चौक मार्ग पर नजर आया। जिसे यातायात कर्मियों द्वारा सुचारु किया जा रहा था। यहां बता दे कि शहर के मार्केट को जिले का मुख्य मार्केट कहा जाता है। मार्केट में हजारों की तादाद में व्यवसायियों द्वारा दूकाने चलायी जा रही है। जहां शहरी और जिले के ग्रामीण अंचलो से प्रतिदिन हजारों की संख्या में छोटे-बडे व्यवसायियों सहित नागरिक भी जरुरतों के सामानों को खरीदने वाहनों से पहुंचते है।

बताया जा रहा है कि व्यवसायी सुविधा के अनुसार व्यवसाय कर रहे है। लेकिन खरीददारों के सुविधा के हिसाब से पार्कींग की सुविधा उपलब्ध नहीं की गई है। खरीददार जरुरतों के सामानों को खरीदने के लिए दूकानों के सामने मार्ग किनारे वाहनों को खडा कर रहे है। अस्तव्यस्त वाहनों से आवागमन दौरान आए दिन यातायात बाधित होते नजर आ रही है। मार्गो पर जाम रहने से नागरिकों को अनेक परेशानियों से गुजरना पडता है। इतना ही नहीं तो वाहन चोरी के अनेक मामले सामने आए है। शहर में दिनोदिन निर्माण हो रही पार्किंग की विकराल समस्या और वाहन चोरी के मामलो पर अंकुश लगाने के लिए वाहनों को सुरक्षित रखने नप द्वारा करीब 6 करोड से अधिक की लागत से पार्किंग प्लाजा बहूमंजिला इमारत का निर्माण किया गया है। इमारत का निर्माण आधुनिक तरीके से किया गया है। जहां दोपहिया, तीनपहिया और चौपहिया वाहनों को खडे रखने की सुविधा उपलब्ध की गई है। बताया जाता है कि पिछले तीन वर्षो से शहरवासी इमारत के द्वार खुलने की प्रतिक्षा कर रहे थे। इमारत का लोकार्पण हो चुका है। लेकिन पार्किंग की निर्माण स्थिति में बदलाव नजर नहीं आया। शहर के मुख्य मार्गो पर आए दिन जाम लगा रहता है। आवागमन दौरान राहगीर तथा चालकों को परेशान होना पड रहा है। वहीं यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए विभाग कर्मियों को निर्माण स्थिति से गुजरना पड रहा है।

समस्या शिघ्र होंगी हल

पार्किंग व्यवस्था को सुचारु करने के लिए विभाग कर्मियों को चौराहों पर तैनात किया जा रहा है। पार्किंग प्लाजा इमारत का लोकार्पण हाल ही में किया गया है। धीरे-धीरे पार्किंग व्यवस्था में सुधार होंगा। निर्माण समस्याओं को शिघ्र हल किया जायेंगा।

- दिनेश तायडे,
पुलिस निरीक्षक, जिला यातायात विभाग गोंदिया

विनयभंग के आरोपी को २४ घंटे में सुनायी सजा

बुलंद संवाददाता अर्जुनी मोर - महिलाओं के विनयभंग के मामले काफी बढ़ चुके हैं। जिसमें अपराधियों को समय पर सजा नहीं मिलने से उनके हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। किंतु हाल ही में गोंदिया जिले के अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले अरुण नगर निवासी 19 वर्षीय युवती के विनयभंग के मामले में अर्जुनी मोरगांव पुलिस द्वारा मामले की तत्काल जांच कर आरोप पत्र न्यायालय में 24 घंटे के अंदर पेश किया। जिस पर प्रथम श्रेणी न्यायालय द्वारा आरोपी को 2 वर्ष का कारावास व 4000 जुर्माने की सजा सुनाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम अरुणनगर निवासी 19 वर्षीय युवती के विनयभंग की शिकायत 27 जून को अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाने में दर्ज हुई। जिस पर अर्जुनी मोरगांव थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक सोमनाथ कदम द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा 354, 354 अ के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर मामले की तीव्र गति से जांच कर 24 घंटे के अंदर न्यायालय में आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। जिस पर प्रथम श्रेणी न्याय दंडाधिकारी अर्जुनी मोरगांव द्वारा सबूतों के आधार पर आरोपी को 2 वर्ष का कारावास व 4000 हजार रुपये दंड की सजा सुनाई। उल्लेखनीय है कि विनयभंग के मामले में संपूर्ण जांच व न्यायालय द्वारा 24 घंटे में सजा दिए जाने का यह जिले मे पहला मामला है। उपरोक्त मामले में जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे व उपविभागीय पोलीस अधिकारी देवरी संकेत देवलेकर के मार्गदर्शन में उपरोक्त अपराध की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक सोमनाथ कदम, संभाजी तागढ द्वारा की गई तथा मामले में पुलिस कर्मचारी दीपक खांडेकर, गौरीशंकर कोरे, प्रवीण बहिरे, श्रीकांत मेश्राम, रमेश सेलोकर, चंद्रकांत भोयर, विजय कोटंगाले, राहुल चिमनकर, दिलीप वाढई ने विशेष सहयोग दिया। अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाने की इस विशेष उपलब्धि पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का अभिनंदन किया है।

विद्यार्थियों को अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए - गुंडे

बुलंद गोंदिया - सामाजिक न्याय दिवस के औचित्य के साथ ही मनुष्य को समाज के सभी वर्गों का मुख्य घटक माना जाता है। इस वजह से, मनुष्य समाज में सबसे अच्छा सामाजिक प्राणी है। इसलिए समाज के एक अंग के रुप में हमें सभी क्षेत्रों में अपनी प्रगति करनी चाहिए, जो रुचि का क्षेत्र है, उसे पहले प्राथमिकता दें। जिलाधिकारी नयना गुंडे ने कहा कि मेहनत व रुचि के क्षेत्र में अध्ययन कर नाम रोशन करें। वे सामाजिक न्याय दिवस की अध्यक्षता और छात्रों के अभिनंदन समारोह से बोल रही थीं। इस अवसर पर सहायक आयुक्त समाज कल्याण डॉ. मंगेश वानखड़े, जिला परिषद समाज कल्याण

अधिकारी संजय गणवीर, प्रो.डॉ. सविता बेदरकर, प्राचार्य खुशहाल कटारे आदिवासी विद्यालय खजरी आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई आरक्षण के जनक राजश्री शाहू महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर ज्योतिराव फुले और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का अभिवादन किया गया। इसके बाद 12वीं और 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसमे सेजल इंदुरकर, भैरवी उंदिरवाडे, सानिया मेश्राम, श्रेया लांडगे, दीक्षित सहरे, गौरव गजभिये, पियुष टेंभुर्णे, कल्याणी भालेराव, आकांक्षा गौर, प्रिया उके और अमन अग्रवाल, कैफ अंसारी, मोहित भाववानी, अश्विन फुल्लुके, प्रांजली बहेकार, अश्विनी बिसेन, प्रेरणा बिसेन, तुषार ठाकरे को शॉल-श्रीफल, प्रमाण पत्र और पौधे देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बाबासाहेब अम्बेडकर सामाजिक न्याय भवन में सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग, समाज कल्याण कार्यालय द्वारा किया गया।

वर्ष में २ करोड़ रु. की विधायक निधि केंद्र की योजना में खर्च कर सकेंगे विधायक

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयत्नों से राज्य सरकार की सकारात्मक पहल

बुलंद गोंदिया - केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की उन्नति के लिए क्रियान्वित मनरेगा, मग्रारोहयो आदि योजनाओं हेतु जारी कार्यो में निधि की कमी के चलते एवं विधायक स्थानिक विकास कार्यक्रम के तहत विधायक निधि किसी अन्य केंद्र की योजना में खर्च करने कि अनुमती राज्य सरकार द्वारा प्रतिबंधित होने के चलते अनेक विकास कार्यो में बाधाएं निर्माण होती थीं। इस मामले को लेकर गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल ने विधायक निधि अभिसरण योजना के तहत केंद्र की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं में खर्च करने हेतु राज्य सरकार से मांग की थी।

विधायक की इस मांग पर एवं चर्चा पर सकारात्मक कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने विधायक स्थानिक विकास कार्यक्रम अंतर्गत नियोजन विभाग, शासन परिपत्रक क्र. स्थाविका 1121/प्र क्र. 101/का. 1482, दिनांक 15 दिसम्बर 2021 के तहत केंद्र शासन की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना अंतर्गत मातोश्री ग्राम समृद्धि खेत / पांदन रास्ता योजना अंतर्गत कार्यो के लिए विधायक निधि अभिसरण योजना के तहत आवश्यक निधि उपलब्ध कराने को प्रशासकीय मान्यता प्रदान की है। निधि के खर्च हेतु अपना परिपत्रक, शासन निर्णय क्र. स्थाविका-0522/प्र. क्र.62(4)/का. 1482, मंत्रालय मुंबई, दिनांक 22 जून 2022 को जारी कर दिया है।

अब इस शासन निर्णय के लागू होने पर केंद्र की मनरेगा एवं मग्रारोहयो के तहत प्रस्तावित कार्यो को गति देने राज्यभर में विधायक निधि खर्च करने का शासन निर्णय लागू होने से हर्ष का वातावरण निर्माण है। अभिसरण योजना के तहत एक वर्ष में 2 करोड़ की विधायक निधि अब केंद्र की अन्य योजनाओं में खर्च की जा सकती है, जिसके तहत रोड, रास्ते, नाली, मैदान समतलीकरण, स्कूल कार्य, आंगनवाड़ी कार्य, साप्ताहिक बाजार चबूतरे इत्यादि कार्यो पर निधि खर्च की जा सकेंगी।

जिले में रेत के अवैध उत्खनन को ले गंभीरता से

सांसद सुनील मेढे ने जिला प्रशासन को दिया निर्देश

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में रेती घाटों से रेत के अवैध उत्खनन के संदर्भ में जिला प्रशासन का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार दिख रहा है। रेत के परिवहन में नियमों का पालन नहीं हो रहा है, जिसके चलते बेलगाम चल रहे रेत माफियाओं के वाहनों से लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। इस संदर्भ में जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित सभा में जिला प्रशासन को सांसद सुनील मेढे द्वारा कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के विभिन्न कार्यों की समीक्षा के लिए सांसद सुनील मेंढे द्वारा जिला अधिकारी कार्यालय में जिला अधिकारी की उपस्थिति में विशेष समीक्षा सभा आयोजित की गई थी। इस अवसर पर विधायक विजय राहंगडाले, जिलाधिकारी नयना गुंडे, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, जिप सभापति संजय टेंभरे, भाजपा महामंत्री संजय कुलकर्णी, ओबीसी के

अध्यक्ष गजेंद्र फुंडे आदि उपस्थित थे। आयोजित सभा में अनेक विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही गोंदिया जिले में रेती के उत्खनन के संदर्भ में रेती माफियाओं द्वारा की जा रही मनमानी के संदर्भ में चर्चा की गई।

गत दिनों तिरोड़ा तहसील के घाटकुरोडा व बोन्डरानी घाटों का निरीक्षण किए जाने पर अनेक खामियां सामने आई जो इस सभा में सामने रखी गयी। रेती का उत्खनन किए जाने के लिए सीमा का सीमांकन नहीं किया गया, पंजीयन पुस्तिका, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था नहीं साथ ही उत्खनन की समय अवधि खत्म होने के बावजूद उत्खनन होने का मामला भी सामने आया है। गत दिनों रेती परिवहन के वाहन द्वारा लापरवाही पूर्ण तरीके से चलाते हुए ट्रैक्टर को टक्कर मार दी थी, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई थी। यदि प्रशासन द्वारा समय पर इस ओर कड़ी कार्रवाई की जाती तो इस प्रकार की घटना घटित नहीं होती तथा रेती उत्खनन पर प्रशासन का ध्यान नहीं है जिस पर तत्काल अंकुश लगाना अनिवार्य है। ऐसा निर्देश सांसद सुनील मेंढे द्वारा आयोजित सभा में जिला प्रशासन के अधिकारियों को दिए हैं।

एकसाथ फाउंडेशन की पहल, प्लास्टिक मुक्त अभियान

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाकर सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से मुंबई की एक साथ फाउंडेशन के माध्यम से पूर्णा पटेल के नेतृत्व में रामनगर क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। पूरे रामनगर क्षेत्र से प्लास्टिक एकत्रित करने के अलावा नागरिकों से बातचीत कर परिसर को साफ सुथरा रखने की अपील की गई।

इस समय निखिल जैन, करण चव्हाण गोंदिया नगर परिषद, दीपिका मिश्रा, फाउंडेशन मुंबई, गोंदिया शिक्षा संस्थान के प्रधानाचार्य और प्रो. देवर्थ बनर्जी, गुजराती स्कूल के शिक्षक, नगरपालिका सफाई कर्मचारी उपस्थित थे। पूर्णा पटेल के नेतृत्व में गोंदिया को प्लास्टिक और कचरे से मुक्त करने के उद्देश्य से 3 जून, 2022 को मुंबई में एकसाथ फाउंडेशन के माध्यम से गोंदिया में सफाई अभियान चलाया गया। इसकी शुरुआत मोक्षधाम और डंपिंग यार्ड क्षेत्र से हुई। बाद में बाजार क्षेत्र और शहर की मुख्य सड़कों पर सफाई अभियान चलाया गया। रामनगर क्षेत्र में यह सफाई अभियान चलाया गया। प्लास्टिक का संग्रहण रामनगर बाजार चौक, रामनगर नगर परिषद स्कूल, मनोहर कॉलोनी, धोटे प्रेस से नटवरलाल मानिकलाल दलाल कॉलेज तक किया गया।

प्लास्टिक को दो तरह से एकत्र किया गया, पुन: प्रयोज्य प्लास्टिक और गैर-पुन: प्रयोज्य प्लास्टिक। पहले एकत्र किए गए प्लास्टिक को यहां से सीधे उपयोग के लिए चंद्रपुर स्थित सीमेंट फैक्ट्री में भेजा जाता था। पूर्णा पटेल और निखिल जैन ने कहा कि आगे एकत्र किए जाने वाले प्लास्टिक को चंद्रपुर स्थित कारखाने में अलग से भेजा जाएगा। आपका स्वास्थ्य आपकी जिम्मेदारी है और सभी को साफ रखने से आपका परिसर साफ रहेगा। पूर्णा पटेल और निखिल जैन ने सभी से अपनी जिम्मेदारी के अनुसार परिसर को साफ रखने की अपील की। इस समय, प्राचार्य जीवनी, प्राचार्य निकोस, प्रा. एजाज शेख, प्रा. भावेश जसानी, प्रा. परवीन कुमार, प्रा. बबन मेश्राम, प्रा. उरविल पटेल, प्रा. योगेश बैस, प्रा. कदम्बे, प्रा. पाटिल, प्रा. तृप्ति पटेल, प्रा. कविता पटेल, प्रिंसिपल रिजवाना, रेणुका जडेजा, प्रा. नीलकंठ भंडारकर, प्रा. प्रेम बसाने, प्रा. रवि रहांगदाले, शिवम अग्रवाल, रचित पटेल, आनंद मकवाना, वाजेद अली सैयद, अमोल बेलगे, घनशाम गेडेकर, निधि शर्मा, दुर्गा येडे, गीता खिरेकर, मनोज पाटले, नरेंद्र बेलगे के साथ एनसीसी और एनएसएस के नटवरलाल मानिकलाल दलाल कॉलेज के स्वयंसेवक, संस्कृति महिला मंडल सदस्य, गुजराती विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी, नगर परिषद के स्वच्छता विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

अमर वराडे ने अपने जन्मदिवस पर जरुरतमंद को दिया मकान भेंट

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के सचिव अमर वराडे द्वारा अपने 50 वें जन्मदिवस के अवसर पर गोंदिया के एक जरुरतमंद परिवार को नया मकान का निर्माण कर भेंट स्वरुप दिया। उल्लेखनीय है कि राजनीति व सामाजिक कार्य करते हुए स्व.डॉ.श्रीकांत जिचकर के आदर्श तथा जन नेता नानाभाऊ पटोले के मार्गदर्शन में उपरोक्त कार्य की प्रेरणा प्राप्त हुई है, ऐसा उन्होंने इस अवसर पर कहा। तथा स्वयं के 50 वे जन्मदिवस के अवसर पर जीवन भर स्मरण रहे इसी दृष्टिकोण से बिना किसी प्रचार-प्रसार के जिस व्यक्ति को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल सकता, ऐसे पैकनटोली गोंदिया निवासी पंकज पिल्ले के परिवार को नये मकान का निर्माण कर भेंट स्वरुप दिया है। विशेष यह है कि उपरोक्त परिवार गत 20 वर्षों से पैकनटोली परिसर में निवास कर रहा है तथा उनका निवास जीर्ण अवस्था में पहुंच

चुका था। बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की घटना घटित होने के साथ ही रहने के योग्य नहीं था।

इस संदर्भ में पंकज पिल्ले ने बताया कि समाज कार्य व राजनीति में कार्य करने वाले अनेक व्यक्तियों से उसने संपर्क किया। किंतु कोई भी मदद के लिए सामने आया नहीं आया। किंतु जब अमर वराडे को जानकारी हुई तो उन्होंने स्वयं के खर्चे से उनके रहने के लिए पक्का मकान का निर्माण करवाकर दिया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।